आग से सुरक्षा

क्या करें

- तेज हवा शुरू होने के पहले एवं हवा शांत होने के बाद ही चूल्हा का प्रयोग करें
- चूल्हा जलाने के पहले ही जरूरी सामग्री को चूल्हे के पास जूटा लें
- चूल्हे पर खाना बनाते समय पानी भरा एक बाल्टी सदैव पास में रखें
- आग उपयोग के तुरंत बाद चूल्हे की राख पर पानी डालकर पूरी तरह बुझा दें
- रोशनी के लिए सुरक्षित लालटेन का प्रयोग करें
- रोशनी के लिए अगर डिबिया ही है तो निंद लेने के पहले जरूर बुझा दें
- आग से बेहतर सुरक्षा के लिए मोटे सूती वस्त्रों को पहने।
- आग लग जाने से यदि भवन के अंदर अगर घुंआ भर गया है तो सांसों की घुटन से बचने के लिए नीचे झुक कर या रेंगते हुए बाहर निकलें
- अगर कपड़े में आग लग जाए तो भागे नहीं, रूकें, झुके एवं लोट पोट करें।
- अनुज्ञप्ति प्राप्त दूकान से ही पटाखें खरीदें
- पटाखों को बंद बक्से में रखें
- विस्फोटक व पटाखों को आग व ज्वलनशील पदार्थ से दूर रखें।
- पटाखों के साथ दिये गये निर्देशों का पालन करें ।
- पटाखें जलाने के लिए खुले में या खेल के मैदान में जाएं।
- जलते हुए पटाखें से दूर हटकर खड़े हों
- व्यवहार हो चूके पटाखों को जल भरे बाल्टी में डाल दें
- जल भरे बाल्टी और कम्बल तैयार रखें ताकि आग लगने पर बुझाया जा सके।

- अगर आग अनियंत्रित हो जाए तो पीड़ित व्यक्ति को कम्बल से आग बुझने तक लपेटे रखें
- आग से जले भाग पर पानी उड़ेलें पर बर्फ नहीं और तबतक पानी उड़ेलते रहें जबतक कि जलन में कमी ना आ जाए
- अगर हाथ या पैर के अंगुली जल जाए तो सुखे एवं बिना चिपकाने के अलग अलग करके ड्रेसिंग कर दें।
- यह सुनिस्चित करें कि पीड़ित व्यक्ति ठीक से सॉस ले रहा है अगर सांस लेने के मार्ग (नाक) में कोई अवरोध है तो साफ कर दें और अगर सांस रूक गई है तो कृत्रिम स्वांस दें।
- जले भाग को सदैव उचा रखें तथा किसी दबाव व घर्षण से बचाये रखें ।
- आग से जले हुए भाग को विसंक्रमित व नमीयुक्त बैण्डेज या साफ कपड़े से ढ़क दें (परन्तु कम्बल या तौलिये से घाव को भरने की कोशिश न करें)।
- समुचित चिकित्सा हेतु डॉक्टर से अबिलम्व सम्पर्क करें।
- अगर ऑख में कोई क्षति है तो नेत्ररोग विशेषज्ञ से अबिलम्व सम्पर्क करें
- अग्नीशामक दल के फोन नम्बर 101 पर सम्पर्क कर जानकारी लें कि मेले के दौरान डाक्टर की प्रतिनियुक्ति कहॉ पर की गई है।

<u>क्या नहीं करें</u>

- तेज हवा बहने के दौरान चूल्हा कदापि न जलाएं
- जलते चूल्हे को छोड़कर कभी कोई दूसरे कार्य के लिए अलग न हों
- चूल्हे की छाई या राख को कभी भी फूसके घर अथवा खरपतवार से सटा कर न फेंके
- मवेशी/पशु घर में रात में आग जला कर कभी न छोड़ें
- भीड़–भाड़ में, तंग जगह व गलियों में अथवा घर के भीतर पटाखें कदापि न चलाएं
- व्यस्क से अलग होकर बच्चों को पटाखें न चलाने दें

- पॉकेट में पटाखें न डालें
- ज्यदा आवाज होने के लिए पटाखें को टीन के ढिब्बे या शीशे के बोतल से न ढ़कें ।
- अधबुझे पटाखें को जांचने की कोशिश न करें, छोड़ दें और नये पटाखें जलाएं।
- हाथ में रखकर पटाखें जलाने की दूस्साहस न करें
- गाड़ी के भीतर पटाखें न जलाएं।
- पटाखें जलाते समय ढ़िले ढ़ाले कपड़े से बचें जिसमें आग तेजी से पकड़ता है।
- जले हुए कपड़े अगर आसानी से नहीं उतरता है तो छोड़ दें पर यह सुनिश्चित करें की घायल व्यक्ति कष्टकारक (स्मॉलडरिंग)वस्तुओं के सम्पर्क में ना हो
- जले भाग पर चिपकने वाला ड्रेसिंग न लगाएं
- जल जाने से बने फफोले को ना फोड़ें।